

हाथ पाँव हिलाना- सक्रिय होना; हाथ पीले करना- (लड़की का) विवाह करवा देना; हाथ फैलाना- याचना करना; हाथ बँटाना- सहायता करना; हाथ बाँधना- विवश करना; हाथ बाँधे खड़े रहना- आदेश पालन के लिए सदा तैयार रहना; हाथ बिकना- अनुयायी, सेवक या भक्त हो जाना; हाथ भर का कलेजा होना- साहस बढ़ जाना; हाथ भर की जबान होना- बहुत बोलना, कटुभाषी होना; हाथ मलना- पछताना; हाथ मारना- अवसर का लाभ उठाना; हाथ हड़प लेना/ मिलाना- मित्रता करना; हाथ में चूड़ियाँ पहनना- कायरता दिखाना, पुरुषों के समान आचरण न कर पाना; हाथ खून से रँगना- हत्या करना; हाथ साफ करना- कुशलता प्राप्त करना, चोरी कर लेना; हाथ से निकल जाना- खो देना; हाथ के ताते उड़ जाना- घबरा जाना, आशा के विपरीत घटित हो जाना; दोनों हाथों से समेटना- बहुत धन संग्रह करना; बहती गंगा में हाथ धोना- अवसर का लाभ उठाना, हाथ लगे-साथ ही साथ।

**हाथ-कंडा** पुं. दे. हथकंडा।

**हाथ-करघा** पुं. दे. हथकरघा।

**हाथ-धुलाई** स्त्री. (तद्.) हाथ से (बिना मशीन) की जाने वाली धुलाई।

**हाथ-फूल** पुं. (तद्.) हथेली के पृष्ठ भाग पर (उँगलियों और कलाई के बीच) पहना जाने वाला आभूषण।

**हाथ-बाँह** स्त्री. (तद्.) एक प्रकार का व्यायाम।

**हाथ-रोकड़** स्त्री. (तद्.+देश.) हाथ में स्थित रकम, खर्च के लिए उपलब्ध रकम।

**हाथल** पुं. (देश.) हाथ का पंजा।

**हाथा** पुं. (देश.) 1. हाथ की छाप, जो मांगलिक अवसरों पर हल्दी इत्यादि से दीवार पर लगाई जाती है 2. हथेली के आकार का एक बड़ा उपकरण जो खेतों में पानी सर्वत्र फैलाने के लिए प्रयुक्त होता है 3. किसी उपकरण का हत्था 4. हाथ (कविता आदि में प्रयुक्त)।

**हाथा-छाँटी** स्त्री. (देश.) लेनदेन में हाथ की सफाई या धूर्तता।

**हाथा-जड़ी** स्त्री. (देश.) आयु. एक ओषधीय पौधा जिसकी पत्तियों का रस फोड़े-फुंसी, विषैले डंक आदि पर प्रयोग किया जाता है।

**हाथा-जोड़ी** स्त्री. (देश.) आयु. एक ओषधीय वनस्पति, सरकंडे की जड़ जिसका आकार मिले हुए पंजे (मनुष्य के) जैसा होता है।

**हाथा-पाई** स्त्री. (देश.) हाथ-पैरों से किया जाने वाला छोटा मोटा झगड़ा।

**हाथी** पुं. (तद्.) 1. बड़े शरीर, मोटी खाल तथा अत्यंत कम बालों वाला एक शक्तिशाली स्तनपायी पशु जिसकी सूँड (लंबी नाक) ही उसकी मुख्य पहचान है, संभवतः विश्व का एकमात्र प्राणी है जो नाक का उपयोग हाथ की तरह कर सकता है, इसीलिए इसे हाथी (हस्ती) कहा जाता है। इसका रंग स्लेटी या हल्का काला होता है, कहीं-कहीं सफेद रंग का भी होता है, जंगली पशु होने के बाद भी इससे भारवाहक का काम लिया जाता है, दक्षिणपूर्व एशिया तथा अफ्रीका का निवासी यह पशु अत्यंत बलशाली होता है तथा सिंह से भी मुकाबला कर लेता है, अफ्रीकी हाथी अपेक्षाकृत ऊँचा होता है तथा आकृति में भी एशियाई हाथी से कुछ भिन्न होता है, अफ्रीकी हाथी 18 फीट तक ऊँचा होता है। भारत में यह समृद्धि तथा सौभाग्य का प्रतीक माना जाता है, अतः राजमहलों तथा मंदिरों में भी पाला जाता है, हाथी के दाँत अत्यंत मूल्यवान होते हैं, पहले हाथी-दाँत की कलाकृतियाँ तथा आभूषण भी बनते थे परंतु अब उन पर रोक लगा दी गई है 2. सहारा।

**हाथी-कान** पुं. (तद्.) फलदार सब्जी का एक प्रकार जिसकी फलियाँ चपटी होती हैं।

**हाथी खाना** पुं. (तद्.+फा.) हाथी बाँधने का स्थान, हस्तिशाला।

**हाथीचक्र** पुं. (तद्.) आयु. एक ओषधीय वनस्पति।